इटानगर में उद्यमिता विकास कार्यक्रम

प्रवर्तक
भारतीय औद्योगिक विकास बैन्क
एवं
भारतीय स्टेट बैन्क

आयोजक
भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई. डी. आई.)
अहमदाबाद गुजरात (भारत)
प्रवर्तक : आई. डी. बी. आई., [आई. सी. आई. सी. आई.,]
आई. एफ. सी. आई. एवं भारतीय स्टेट बैंक

उद्योग निदेशालय,
अरुणांचल प्रदेश सरकार,
अरुणांचल प्रदेश,
इटानगर

परिकल्पना :

उद्यमिता विकास कार्यक्रम इस विचारधारा पर आधारित है कि उद्यमी केवल पैदायशी ही नहीं होते लेकिन् उनको खोजा जा सकता है, उन्हें प्रशिक्षित किया जा सकता है और इस प्रकार उन्हें उत्पन्न किया जा सकता है।

औद्योगिक रूप से पिछड़े अरुणांचल प्रदेश में भारतीय औद्योगिक विकास बैंक के उद्यमिता सन्देश के प्रचार-प्रसार हेतु एक 'उद्यमिता विकास कार्यक्रम' का आयोजन करने की परिकल्पना की गई है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई. गी आई) ने इस कार्यक्रम का संचालन करने हेतु कदम उठाया है, जिससे लघु उद्योगों का तीव्र गति से विकास हो ।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई. डी. आई) :

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान की स्थापना संयुक्त रूप से, राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के द्वारा की गई है। यह संस्थान विभिन्न प्रदेशों में उद्यमिता विकास कार्यक्रम के संघटन में सहायता प्रदान करेगा, प्रशिक्षकों एवं प्रयोजकों को प्रशिक्षित करेगा तथा उद्यमिता विकास के क्षेत्र में अनुसन्धान करेगा। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ई. डी. आई.) को सात से दस वर्ष तक का अनुभव रखने वाले चालीस (४०) पूर्ण कालीन प्रशिक्षकों का सहयोग प्राप्त है। भा० उ० वि० स (ई. डी. आई.) के प्रशिक्षकों नें गुजरात के अतिरिक्त राजस्थान, आसाम, नागालैण्ड, केरल आदि राज्यों और अन्डमान निकोबार, गोआ, गगंटोक और चण्डीगढ़ आदि संघ शासित राज्यों में उद्यमिता विकास कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया है।

अब तक ग्रहीत सभी राज्यों में भा० उ० वि० सं० (ई. डी. आई.) को अपने इस सिद्धान्त की स्थापना करने में सफलता मिली है कि निष्क्रिय उद्यमिता को सक्रिय किया जा सकता है और इस प्रकार निष्क्रिय उद्यमियों को एक नया आकार प्रदान किया जा सकता है। भा० उ० वि० सं० ने ऐसा प्रभाव उत्पन्न किया है कि राज्य स्तर के सगठंन उद्यमिता विकास कार्यक्रम में तीव्रता लाने के लिए प्रयत्न कर रहे हैं और दीर्घकालीन योजनाओं एवं कार्यों को हस्तगत कर चुके हैं। इनके सम्बन्धन से (सम्मिलित होनेसे) लघु उद्योग प्रवर्तन संस्थानों ने सहयोग करना प्रारम्भ कर दिया है।

प्रर्वतन कार्य :

यह संस्थान, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक; उद्योग निदेशालय, अरुणांचल प्रदेश सरकार और भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से, ऐसे उद्यमियों के लिए, जो अपने निजी लघु उद्योग स्थापित करना चाहते हैं, इटानगर में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है।

उद्देश्य :

औद्योगिक प्रतिभा सभी वर्ग के लोगों में होती है और इन सब लोगों में जो सामान्य बातेंपायी जाती हैं, वे हैं, पारम्परिक व्यवसायों के प्रति मोह को तोड़ने के लिए प्रेरणा प्रदान करना, निर्णयलेने की प्रक्रिया में संगठनात्मक एवं तकनीकी चुनौतियों का सामना करना और उनमें आने वाले परिगणित खतरों का उत्तरदायित्व सँभालना। उद्योग एवं व्यापार में लगे अनेक कर्मचारियों एवं कार्यकर्ताओं, पर्यवेक्षकों, विक्रय प्रतिनिधियों, प्रबन्धकों एवं व्यवसायियों तथा अनेक नव स्नातकों में अन्तर्निहित गूढ़ उद्यमिता, अदम्य आकाँक्षा और क्षमता होती है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है, उन्हें स्व रोजगार के लिए प्रेरित करना, जिससे कि इस कार्यक्रम का सफल प्रशिक्षण लेने के बाद वे अपना उद्योग स्थापित कर सकें।

कार्य पद्धति :

समुचित गुणों एवं विशेषताओं से सम्पन्न ऐसे लोगों को खोजना एवं सावधानी पूर्वक उनका चयन करना, जिनकी उद्यमीय क्षमताओं को बढ़ाया जा सके, यह इस योजना का प्रथम कार्य है। चयन-प्रक्रिया में अन्य बातों के साथ प्रविधियों का संयोजन, उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि का विश्लेषण और विधिवत जाँच करना

तथा साक्षात्कार करना आदि बातें समाविष्ट की गई हैं। इस के बाद कक्षाओं में प्रशिक्षण दिया जायेगा, जो उद्योग स्थापित करने एवं उसके संचालन के लिए आवश्यक आर्थिक एवं प्रबन्ध सम्बन्धी निवेश (ज्ञान) प्रदान करेगा। कक्षा – प्रशिक्षण की अवधि प्रतिदिन चार घण्टे होगी। यह आवासीय कार्यक्रम होगा। प्रशिक्षणार्थियों को औद्योगिक साक्षात्कारों एवं तकनीकी सलाहकारों की परिचर्चाओं के माध्यम से तकनीकी दिशा निर्देश प्रदान किया जायेगा।

पाठ्यक्रम सूची:

- उद्यमीय योग्यताएँ
- दिशा निर्देशन
- उत्पाद चयन
- जानकारी के साधन
- उद्योग स्थापित करने की सुविधाएँ एवं नियम
- बाजार सर्वेक्षण
- मांग एवं आपूर्ति
- प्रगति एवं प्रोत्साहन
- उत्पाद नियोजन
- मूल्य निर्धारण
- मूल्य सजगता
- योजना प्रतिवेदन
- वित्तीय प्रबन्ध
- लेखा जोखा
- कर निर्धारण
- कारखाना निरीक्षण
- क्रय प्रविधियाँ
- विज्ञापन एवं विक्रय प्रविधियाँ
- आय व्यय का अनुमान
- औद्योगिक प्रबन्ध
- औद्योगिक अधिनियम
- औद्योगिक मनोविज्ञान
- व्यावसायिक पत्राचार
- लघु उद्योगों के संकट
- स्थिति अध्ययन

संकाय :

गृह-संकाय-प्रशिक्षण कार्यक्रम में ऐसे प्रशासक सम्मिलित हैं, जो प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्यक्रम के विभिन्न चरणों में सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। अतिथि संकाय में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ होंगे, सरकारी तथा औद्योगिक निगमों के अधिकारी होंगे एवं सफल उद्योगपति होंगे।

योग्यता :

ऐसा प्रत्येक व्यक्ति (व्यापारी, व्यवसायी, प्राविधिज्ञ, कुशल कारीगर, शिल्पकार और शिक्षित बेरोजगार) जिनमें कठोर परिश्रम करने की अभिरुचि है, अदम्य आकांक्षा है तथा अपना उद्योग स्थापित करने का उत्साह एवं समर्पण भावना है, वे इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं।

किसी प्रकार की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। लेकिन, प्रारम्भिक प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु उम्मीदवारों को अंग्रेजी एवं हिन्दी का ज्ञान होना चाहिए। आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम होने के कारण उम्मीदवारों को इटानगर में 8 सप्ताह रुकने की आवश्यकता है। साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर, उसे तकनीकी दिशा निर्देशन हेतु गुजरात में तीन-चार सप्ताह ठहरने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। प्रशिक्षार्थियों को गुजरात में ठहरने और आने जाने के लिए भत्ता भी दिया जायेगा।

व्यावहारिक जाँच एवं वैयक्तिक साक्षात्कार के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जायेगा। चुने गए उम्मीदवारों को ५०-०० रुपये जमा कराने पड़ेंगे, जो सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वापस कर दिए जाएँगे।

प्राशिक्षणार्थियों से अपेक्षाएँ :

प्रशिक्षण कार्यक्रम में नियमित रूप से सम्मिलित होना।

एक महीने के अन्दर प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण करने के बाद एक विस्तृत प्रायोजना प्रतिवेदन तैयार करना।

बाह्य, लक्ष्य प्राप्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेना।

R. E. 884 30–

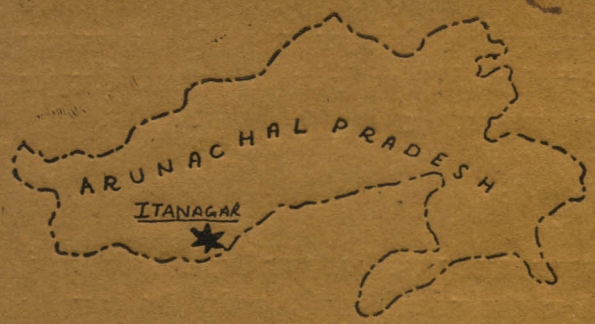

कार्यक्रम अधिकारी
एस. बी. सरीन

कृपया अधिक जानकारीके लिए
ई. डी. आई. शिविर कार्यालय,
उद्योग निदेशक,
अरुणांचल प्रदेश सरकार,
इटानगर,
अरुणांचल प्रदेश
से
सम्पर्क करें